RESEARCH PAPER | Journalism | Volume : 5 | Issue : 9 | September 2015 | ISSN - 2249-555X

सोशल नेटवर्किंग प्रबंधन-आज की जरूरत

KEYWORDS: सोशल नेटवर्किंग, सोशल मीडिया मैनेजमेंट।

Dr. Subodh Kumar

Associate Professor & Convener, Deptt. of Journalism Vardhman Mahaveer Open University, Kota (Raj.)

ABSTRACT सोशल नेटवर्किंग एक व्यापक क्षेत्र है जिसको उचित तरीके से प्रयोग करने के लिए एक प्रबंध व्यवस्था की महती आवश्यकता महसूस होती है। सोशल नेटवर्किंग के जरिए संचार व्यवस्था की लोकप्रियता के मद्देनजर आज हर एक संस्थान चाहे वह सरकारी हो या निजी सोशल मीडिया प्रबंधन के बिना प्रभावी तरीके से काम नहीं कर सकता है। इसे समय की जरूरत कहें या सोशल मीडिया की प्रभावशीलता दोनों में कोई अंतर करना सही नहीं होगा। पर जब बात नए माध्यम यानी सूचना संचार प्रौद्योगिकी की आती है तो इसके लिए एक विशेषज्ञ की जरूरत पड़ती है जो इसे प्रबंधित कर सके। आज के दौर में यदि किसी के द्वारा सोशल मीडिया को सही से प्रबंधित कर लिया गया है तो वह संस्था या व्यक्ति अपने लक्ष्य को आसानी से भेदने में सफल हो सकता है। बात अभी हाल ही की है जब एक ऑनलाइन प्रोडक्ट बेचने वाली वेबसाइट ने एक दिन में अरबों रुपये कमा कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। ऐसे ही कई उदाहरण मौजूद हैं जो सोशल मीडिया प्रबंधन की प्रभावशीलता को दर्शाते हैं। सोशल नेटवर्किंग के जरिए सूचनाओं के प्रसार का चलन तेजी से बढ़ा है। यदि भारत की बात करें तो अमेरिका के बाद सोशल नेटवर्क का प्रयोग करने वालों की संख्या दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। एक तरफ जहां संपर्क और सम्बन्ध मजबूत करने के लिए कुशल सोशल मीडिया प्रबंधन की आवश्यकता है तो दूसरी ओर हैकिंग और फ्राड से बचने के लिए भी। प्रस्तुत शोध पत्र में सोशल मीडिया प्रबन्धन के बारे में पड़ताल की गई है।

भूमिका

सोशल नेटवर्किंग से संचार में क्रांति को देखते हुए इस प्लेटफार्म के जरिए मार्केटिंग का ट्रेंड बढ़ा है और सोशल मीडिया मैनेजमेंट की जरूरत पर जोर दिया जा रहा है। डिजिटल डेमोक्रेसी की पहुंच से राजनीतिक गलियारों का रुख बदला है साथ ही साथ ई-मैनेजमेंट सिस्टम औद्योगिक जगत की खास जरूरत के तौर पर उभर कर आया है। ऐसे में सोशल मीडिया के जरिए नेटवर्क विस्तार करने के लिए एक खास प्रबंध व्यवस्था के जरूरत महसूस होनी प्रारंभ हो गई है। जिसे सोशल नेटवर्किंग मैनेजमेंट के नाम से जाना जाने लगा है। वर्तमान परिदृश्य में सोशल नेटवर्किंग के जरिए संचार व्यवस्था को सुनियोजित करने के लिए अपने सोशल मीडिया एकाउंट को प्रबंधित करने की जरूरत पड़ती है। जिस तरह से ऑनलाइन फ्राड बढ़ रहा है और आतंकवाद से लेकर पोर्न सामग्री का सम्प्रेषण सोशल नेटवर्किंग के जरिए किया जा रहा है इस तरह के खतरे से बचने के लिए सोशल मीडिया प्रबंधन एक महत्वपूर्ण उपकरण साबित हो सकता है। यदि आपका सोशल मीडिया खाता सही से प्रबंधित है तो उसमें कोई भी अराजक तत्व आसानी से सेंध नहीं लगा सकता है।

सोशल नेटवर्किंग

सोशल नेटवर्किंग साइट्स कहें या सोशल मीडिया दोनों एक ही बात है, सोशल नेटवर्किंग प्रदान करने में फेसबुक, ट्विटर, गूगल प्लस, ऑरकुट, लिंक्ड-इन तथा यू-ट्यूब आदि नेटवर्किंग साइट्स वर्तमान में मौजूद हैं। जो सोशल मीडिया की अनोखी और इंटरैक्टिव दुनिया से लोगों को रूबरू करा रही हैं। आज इन साइट्स के जरिए संचार व्यवस्था ने नए आयाम स्थापित किए हैं। यही कारण है कि इन साइट्स का प्रयोग करने वाले लोगों की तादाद में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। यदि आंकड़ों की बात करें तो भारत में फेसबुक यूजर्स की तादात अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। यह लोगों को आपस में जुड़ने व वैचारिक आदान प्रदान करने का अनूठा माध्यम प्रदान करती है। आज विश्व की हजारों किलोमीटर्स में फैली आबादी सोशल नेटवर्किंग के माध्यम से एक दूसरे के आमने-सामने आ जाती है और व्यक्तिगत व सामूहिक दोनों ही प्रकार से अपने विचारों को व्यक्त कर पाती है। वर्तमान में सूचना और संपर्क का दायरा सोशल नेटवर्किंग के जरिए विश्व व्यापी हो गया है। सूचना किसी भी स्तर की सोशल नेटवर्किंग उसको विश्व स्तर का मंच प्रदान करती है। सोशल नेटवर्किंग की चमत्कारी दुनिया लोगों की दिनचर्या में अपना स्थान बनाती जा रही है। लोग भी इसे अपनी जीवन शैली का अंग मानने लगे हैं। यह उन्हें लोगों से जोड़कर विश्व स्तर पर पहचान देती है। सूचना संचार प्रौद्योगिकी जगत में सोशल नेटवर्किंग ने अपनी अलग साख बना ली है। आज बहुत से लोग सिर्फ सोशल मीडिया से जुड़ने के लिए ही इन्टरनेट की दुनिया में प्रवेश करते हैं।

सोशल नेटवर्किंग से जुड़ने के लिए आपके पास ई-मेल खाता होना आवश्यक जिसे आप सोशल मीडिया में रजिस्टर कर अपना सोशल मीडिया खाता बना सकते हैं और वर्चुलिज्म की अनोखी और स्वतंत्र दुनिया में अपने विचार, डिजिटल फोटोग्राफी तथा वीडियोज को लोगों तक प्रेषित कर सकते हैं। यहां स्पेस की कोई कमी नहीं है बस आपके पास सामग्री होनी चाहिए। यह आपको भावनात्मक रूप से आकर्षित कर आपके जीवन का अहम हिस्सा बनने की अपार क्षमता रखती है। हर दिन नए नए लोग इस नेटवर्किंग से जुड़ रहे हैं। लोगों की इस तादात और प्रयोग की आदत को देखते हुए सोशल मीडिया मार्केटिंग का ट्रेंड काफी तेजी से बढ़ा है साथ ही साथ ऑनलाइन उपभोक्ता वस्तुएं बेचने वाली वेबसाइट्स ने भी अपना नेटवर्क इसके माध्यम से विस्तारित किया है। सोशल नेटवर्किंग में बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए और फ्राड से बचने के लिए सोशल मीडिया प्रबंधन की तरफ लोगों का रुझान खासी तेज हुआ है। आज के दौर में जनसंपर्क अधिकारी का स्थान अधिकतर संस्थाओं में सोशल मीडिया प्रबंधक ने ले लिया है।

सोशल नेटवर्किंग प्रबंधन

सोशल नेटवर्किंग प्रबंधन से अभिप्राय किसी व्यक्ति या संस्थान द्वारा सोशल नेटवर्क पर मौजूद अपने ईमेल खाते को प्रबंधित करने से है, जिससे की सोशल मीडिया के जरिए सूचना संप्रेषण एवं संपर्क के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। जैसा कि हमने जाना वर्तमान में सोशल मीडिया के जरिए संचार और जनसंपर्क की क्रियाएं तेज हो रही हैं। आज चाहे चुनाव प्रचार हो या कोई आंदोलन आवाज सोशल मीडिया ही दे रहा है। सरहदों की सारी हदें पार कर चुका सोशल नेटवर्किंग अब तेजी से जन चेतना का आधार बन रहा है। सोशल मीडिया पर सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक तीनों ही विधाओं ने अपना ताना-बाना सजा रखा है। इनके द्वारा प्रयोग की जा रही सोशल मीडिया एक व्यवस्थित सामग्री और विषय को प्रदर्शित करती है। जैसे कोई व्यक्ति नव वर्ष के मौके पर सोशल मीडिया के जरिए बधाई प्रस्तुत करता है तो वह पहले इस कार्य के लिए एक कुछ फोटोज या वीडियोज साथ ही टेक्स्ट तैयार करता है इस तरह उसके द्वारा अपने सोशल नेटवर्किंग खाते को अपडेट किया जाता है यह क्रिया सोशल नेटवर्किंग प्रबंधन करना भी कहलाती है। इसी प्रकार से सभी सोशल मीडिया यूजर्स अपनी आवश्यकता के अनुरूप अपने सोशल मीडिया खाते को प्रबंधित करते हैं। वर्तमान में हैकिंग और आतंकवाद जैसे खतरे सोशल मीडिया के वर्चुअल वर्ल्ड में बढ़ते जा रहे हैं इन खतरों से बचने के लिए भी सोशल नेटवर्किंग प्रबंधन एक मुख्य उपकरण बन गया है।

सोशल नेटवर्किंग प्रबंधन के मुख्य अवयव

फ्रेंड्स रिक्वेस्टस- फ्रेंड्स रिक्वेस्टस तात्पर्य सोशल नेटवर्किंग में लोगों के खाते से जुड़ने के लिए निवेदन भेजने से या किस व्यक्ति द्वारा भेजे गए निमंत्रण को प्राप्त करने से है। यही वह क्रिया है जो सोशल मीडिया प्रबंधन में शुरुआती कदम के तौर पर है। यह उपकरण आपको यह बताता है कि आप किस-किस के साथ जुड़ना चाहते हैं और कौन-कौन से लोग आप से जुड़ना चाहते हैं। इस उपकरण के प्रबंध से आप अपने सोशल मीडिया खाते में अपनी जरूरत के अनुरूप लोगों जोड़ कर संचार और जनसंपर्क के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। सोशल नेटवर्किंग की इस प्रक्रिया में खासी सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है आप अपने खाते में जिसे जोड़ रहे हैं उसकी प्रोफ इल सही से जांच लें साथ यदि व्यक्ति आपको सही लगे तभी आप उसे अपने खाते से जोड़ें।

एकाउंट नियोजन- लोगों को अपने खाते से जोड़ कर साथ ही साथ लोगों के खाते से जुड़ने के बाद सबसे अहम बात संचार व्यवस्था को कायम करने की होती है। सोशल मीडिया के जरिए संपर्क और सम्बन्ध स्थापित करने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सबसे अहम कार्य है की आपके द्वारा कैसे प्रभावशाली संचार किया जाए। इसके लिए एक कार्य योजना के तहत सन्देश का निर्माण करके आप अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। संचार नियोजन में यह बात गौर करने वाली है कि आप कभी भी अपने खाते के जरिए आपत्तिजनक सामग्री अपलोड न करें साथ ही साथ यदि कोई आपत्तिजनक सामग्री या नोटिफि केशन आपको प्राप्त होता है तो उसे लाइक या कमेंट न करें जहां तक संभव हो सके उसे डिलीट कर दें। यदि कोई अफवाह तेजी से फैल रही हो और आपके खाते तक पहुंच गई हो तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस या साइबर सेल को दें।

कम्युनिकेशन में समन्वयन- समन्वयन से तात्पर्य सोशल नेटवर्किंग के द्वारा किये जा रहे संचार के समन्वयन से है। इसके अंतर्गत सोशल मीडिया खाते में यूजर्स के द्वारा की जा रही गतिविधियों में सामंजस्य स्थापित कर प्रभावशाली संचार करना है। इस प्रक्रिया में यूजर को यह ज्ञात होना चाहिए किस प्रकार की सामग्री को कब प्रयोग में लाना चाहिए। यानी हाइपरटेक्स्ट, वीडियोज और फोटोग्राफ्स में कब किस तरह के फॉर्मैट का प्रयोग करना है जो आपकी बात को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत कर सके, साथ ही साथ किस-किस को मैसेज भेजने हैं इन सभी गतिविधियों में जरूरत के हिसाब से सामंजस्य स्थापित करना समन्वयन कहलाता है।

कम्युनिकेशन पर कंट्रोल- सोशल नेटवर्क पर नियंत्रण से आशय सोशल नेटवर्किंग खाते की कार्यप्रणाली को नियंत्रित करने से है जिससे सूचना सम्प्रेषण को सही दिशा प्रदान की जा सके। सोशल मीडिया में प्रतिक्रिया की गति प्रकाश की रफ़्तार की भांति होती है अतः इसमें संचार करते समय काफी सावधानी बरतनी चाहिए। साथ ही साथ सन्देश सम्प्रेषण पर नियंत्रण के साथ संपर्क और सम्बन्ध के लक्ष्य की तरफ बढ़ना चाहिए। कई उदाहरण मौजूद हैं जबकि सोशल नेटवर्किंग के जरिए की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से अव्यवस्था हुई है जैसे कि कुछ समय पूर्व नार्थ ईस्ट के लोगों के बारे दिए गए एक 'फे क' सन्देश ने ऐसा तूल पकड़ा कि एकदम से बैंगलूर में नार्थईस्ट के लोगों का पलायन शुरू हो गया और ट्रेनों में खड़े होने की जगह भी नहीं रह गई।

एकाउंट की सिक्योरिटी- सुरक्षा सोशल नेटवर्किंग पर सबसे बड़ा मुद्दा है। साथ ही इसको सोशल मीडिया प्रबंधन का एक मुख्य कार्य भी मानते हैं। सोशल मीडिया में वर्चुअल मित्रों का संसार है और हम सभी लोगों को प्रत्यक्ष रूप से नहीं जानते हैं। ऐसे में उनके साथ संचार की संभावनाओं की तलाश में सावधानी बरतनी आवश्यक है साथ ही साथ आतंकवादियों द्वारा सोशल मीडिया एकाउंट हैक करने की खबरें अक्सर नजर में

Volume : 5 | Issue : 9 | September 2015 | ISSN - 2249-555X

आ जाती हैं। कभी सुनने में आता है कि किसी लड़की का फोटो उसके सोशल मीडिया एकाउंट से निकाल कर अश्लील फोटो बनाने में प्रयोग किया गया। इस तरह की गतिविधियों से बचने के लिए सोशल मीडिया में लगातार अपने एकाउंट पर मौजूद लोगों की पड़ताल करते रहना चाहिए। साथ ही साथ पासवर्ड में भी समय-समय पर बदलाव करने चाहिए।

निष्कर्ष

बढ़ती संचार जरूरतों को पूरा करने के लिए सोशल मीडिया जैसे उपकरणों का प्रयोग समय की मांग बन गया है। सोशल नेटवर्किंग के बढ़ते दायरे सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही प्रकार के परिणाम प्रस्तुत कर रहे हैं। संचार और संपर्क को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने के लिए एक नियोजित संचार प्रबंध मुख्य जरूरतों में शामिल होता जा रहा है। जहां एक तरफ आंदोलनों और ई-कॉमर्स, ई-संचार एवं ई-गवर्नेंस से समाज की व्यवस्थाएं सुदृढ़ हुई हैं तो कई लोग इसके जरिए फ्र ाड और आतंकवाद का भी शिकार हो रहे हैं। ऐसे में सोशल नेटवर्किंग प्रबंधन एक उपकरण है जो संभावनाओं की इस दुनिया में आपको लाभान्वित और सुरक्षित कर सकता है।

REFERENCE

पुस्तकें1. Saxena, mbrish (2012). Issue of communication development and society. Gera, Gagan (Eds.) Social Media Networking and concept of International Citizenship (P.P.163-167). New Delhi : Kanishka Publisher, Distributors. | 2. Mathur, K, Prasant (2012). Social Media and Networking Concept, trend and dimensions. New Delhi : Kanishka Publisher, Distributors. | 3. Gupta, Om Jasra jay S. (2002). Information Technology in Journalism. New Delhi : Kanishka Publishers, Distributors. | 4. डॉ., पाडेय, भगवान, देव एवं पांडेय, मिथलेश, कुमार (2009). आधुनिक मीडिया प्रबंधन. नई दिल्ली : तक्षशिला प्रकाशनों 5. चतुर्वेदी, जगदीश्वर (2013). मीडिया समग्र (भाग-३) ज्ञान-क्रान्ति और साइबर संस्कृति. दिल्ली: स्वराज प्रकाशनों 6. जोशी, शालनी, जोशी, शिवप्रसाद (2012). वेब पत्रकारिता नया मीडिया नये रुझान. नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेडों 7. शर्मा, विजय (2011). आधुनिक पत्रकारिता प्रभाव एवं कार्य. जयपुर: इशिका पब्लिशिंग हाउसों 8. सिंह, सुरजीत (2012). मीडिया अवीवर्स. जयपुर: हार्सबैक पब्लिकेशनों शोध पत्रें 1. Pankaj Dr., charya, kunjan.(Oct-Dec., 2013). Social Networking: Youth in New Millennium. Communication Today, 75-86. | 2. Gupta, Komal.(Oct-Dec., 2013). ICT Vision 2020: Milestone. Communication Today, 44-53 | 3. Dr. Nayak, S. Chandra.(Oct-Dec., 2013). Social Media: Connecting One and ll. Communication Today, 66-74 . | वेबसाइट्स | 1. https://en.wikipedia.org/wiki/Socialšnetworkingšservice. (10/08/2015. 5:13 PM²) | 2. http://www.smallbusinesscomputing.com/emarketing/article.php/3868601/What-is-Social-Media-Management-and-Why-Should-You-Care.htm. (10/08/2015. 05:25 PM²)